सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 354 | इंदौर, शनिवार 11 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

● नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद बवाल

रात भर हाईवे रहा जाम, सुबह भीड़ पर आंसू गैस छोड़ी गई

पुलिस ने खदेड़ा

दतिया, (एजेंसी) दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बदले जाने के फैसले के बाद जिले की सियासत गरमा गई है। पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार शाम दतिया-झांसी हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन पूरी रात जारी रहा। शनिवार तड़के पुलिस ने जाम हटाने की कार्रवाई की, जिसके दौरान आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वहीं, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प तथा पथराव भी हुआ।

टिकट घोषित होने के बाद से ही सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता दतिया-झांसी हाईवे पर जुट गए थे। वे रातभर 'नरोत्तम मिश्रा जिंदाबाद' और 'टिकट वापस लो' के नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक पार्टी अपना फैसला वापस नहीं लेगी, वे सड़क से नहीं हटेंगे।

शनिवार सुबह भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जाम समाप्त कराने का प्रयास किया। प्रशासन के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने हटने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तनाव बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप लगाया, जबकि प्रशासन ने इससे इनकार किया। इस बीच कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। मौके पर कुछ देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। एसपी ने कहा कि पुलिस ने किसी प्रकार का लाठीचार्ज नहीं किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए केवल आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया और स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने हाईवे से जाम हटवा दिया। इसके बाद दतिया-झांसी मार्ग पर यातायात सामान्य हो गया। हालांकि, आंदोलनकारी कार्यकर्ता अब भी अपने रुख पर कायम हैं। उनका कहना है कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा ही दतिया की पहचान हैं और वे भाजपा प्रत्याशी बनाए गए आशुतोष तिवारी को स्वीकार नहीं करेंगे। एक कार्यकर्ता ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर टिकट नहीं बदला गया तो दोबारा हाईवे जाम किया जाएगा। बढ़ते विरोध को देखते हुए दतिया भाजपा जिला कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग भी की गई है।

● अतिथि विद्वानों को राहत के संकेत, सीएम बोले-

वेतन-नियमितीकरण समेत लंबित मांगों को लेकर बनेगी समिति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के अतिथि विद्वानों की वर्षों पुरानी मांगों के समाधान की दिशा में सरकार ने बड़ा संकेत दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि फिक्स सैलरी, नियमितीकरण, सामाजिक सुरक्षा और अन्य लंबित मांगों पर विचार के लिए एक समिति बनाई जाएगी। यह समिति विभिन्न राज्यों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर मध्यप्रदेश के लिए उपयुक्त मॉडल तैयार करेगी। भोपाल में भारतीय मजदूर संघ के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार को निर्देश दिए कि वे उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समिति बनाकर अतिथि विद्वानों की मांगों पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समस्याओं को टालना नहीं, बल्कि उनका समाधान करना है। उन्होंने कहा, अटकाने-लटकाने का समय अब खत्म हो गया है। सरकार सकारात्मक सोच के साथ निर्णय ले रही है।

मांगों पर भी गंभीरता से विचार होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पहले भी अतिथि विद्वानों के हित में कई फैसले ले चुकी है। अब शेष मांगों पर भी गंभीरता से विचार होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सहित जिन राज्यों में अतिथि विद्वानों के लिए बेहतर व्यवस्था लागू है, उसका अध्ययन कर मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

सरकार पहले ही दे चुकी है कई सुविधाएं

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि सरकार ने अतिथि विद्वानों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इनमें 13 आकस्मिक अवकाश, तीन ऐच्छिक अवकाश, महिला अतिथि विद्वानों को प्रसूति अवकाश, सहायक प्राध्यापक भर्ती में 25 प्रतिशत आरक्षण तथा वर्ष में एक बार स्थानांतरण की सुविधा शामिल है। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग में अतिथि विद्वानों को अभी 12 महीने के बजाय 11 महीने का वेतन मिलने की व्यवस्था है। सरकार इस विसंगति को भी दूर करेगी, ताकि उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिथि विद्वानों को समान लाभ मिल सके।

सामाजिक सुरक्षा पर भी उठी आवाज

भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर ने अतिथि विद्वानों की सामाजिक सुरक्षा और अन्य लंबित मांगों का जल्द समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण मिलने से शिक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। साथ ही औद्योगिक विकास के जरिए प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे।

आज आयोजित होगा माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष रूप से होंगे शामिल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, नेतृत्व क्षमता एवं विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में 'माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन किया जा रहा है। 'One State. One Generation. One Sankalp.' की थीम पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 5,000 युवा सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 12 बजे कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

यह कॉन्क्लेव युवाओं को मध्यप्रदेश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार, अनुभव और सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान करेगा तथा उन्हें प्रदेश के भविष्य के निर्माण में सहभागी बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव को संबोधित करेंगे तथा युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विकसित, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे। यह आयोजन युवाओं की आकांक्षाओं को नीतिगत संवाद और जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कॉन्क्लेव में मोटरसाइकिल एवं साइकिल रैलियाँ, प्रेरणादायी उद्बोधन, युवा उपलब्धि सम्मान, पाँच समानांतर विषयगत कार्यशालाएँ, सांस्कृतिक

प्रस्तुतियाँ, संवादात्मक युवा सत्र, इंदौरी फूड स्ट्रीट, म्यूजिक स्टेज तथा 5,000 युवाओं द्वारा सामूहिक 'युवा संकल्प' का संकल्प ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जो विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के प्रति युवाओं की साझा प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करेगा।

कॉन्क्लेव में शिक्षा, कौशल विकास, खेल, एमएसएमई, स्टार्टअप, कृषि एवं उद्यानिकी, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कृति एवं पर्यटन तथा जनभागीदारी सहित दस प्रमुख क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा भाग लेंगे। विभिन्न विषयगत सत्रों एवं संवादों के माध्यम से प्रतिभागी अपने-अपने क्षेत्रों की संभावनाओं, चुनौतियों और समाधान पर विचार-विमर्श करेंगे।

कॉन्क्लेव की प्रमुख विशेषता पाँच समानांतर विषयगत कार्यशालाएँ होंगी, जिनमें युवाओं द्वारा स्वयं तैयार किए गए व्यवहारिक एवं क्रियान्वयन योग्य संकल्पों का प्रारूप तैयार किया जाएगा। इन सभी कार्यशालाओं से प्राप्त सुझावों को समेकित कर प्रदेश के युवाओं का सामूहिक 'युवा संकल्प' प्रस्तुत किया जाएगा, जो मध्यप्रदेश के विकास के प्रति युवाओं की प्रतिबद्धता एवं साझा दृष्टि का प्रतीक होगा।

माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026 युवाओं की रचनात्मक शक्ति, नेतृत्व क्षमता, नवाचार, उद्यमिता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करने की दिशा में मध्यप्रदेश शासन की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। यह आयोजन युवाओं को केवल संवाद का मंच ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदार बनने का अवसर भी प्रदान करेगा।

माय यूथ माय प्राइड कॉन्क्लेव 2026 प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और सामूहिक संकल्प को एक नई दिशा प्रदान करते हुए मध्यप्रदेश के समावेशी, सतत एवं विकसित भविष्य की आधारशिला रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

नहीं चाहते कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का अध्यक्ष पद चला जाए...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि वे नहीं चाहते कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का अध्यक्ष पद चला जाए। इसीलिए वे उन्हें पौधरोपण कार्यक्रम का निमंत्रण देने भी नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले वे कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुरजीतसिंह चड्ढा को निमंत्रण देने के लिए गए थे और इसके बाद उनका अध्यक्ष पद ही चला गया। इसलिए अब वे जीतू पटवारी को पौधरोपण कार्यक्रम का निमंत्रण देने के लिए नहीं जा रहे हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह बहुत इंटेलिजेंट और ब्रिलिएंट नेता हैं। उनसे कांग्रेस के युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अयोध्या की धार्मिक यात्रा पर जा रहे हैं तो इससे प्रेरणा लेना चाहिए। विजयवर्गीय ने कहा कि इस उम्र में इस तरह की भावनाएं जागृत होती हैं। हमें उनसे आशीर्वाद लेना चाहिए। इंदौर में व्यापक स्तर

पर पौधरोपण कार्यक्रम शुरू होने वाले हैं। नगर निगम, प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही बड़ी संख्या में शहर की संस्थाएं भी इसमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव इस कार्यक्रम का शुभारंभ करने के लिए आएंगे। इसी सिलसिले में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज एयरपोर्ट क्षेत्र में स्थित बीएसएफ कैंपस में हो रहे पौधरोपण की तैयारियों को देखने के लिए पहुंचे। यहां पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि शहर में पिछले कुछ साल में विकास के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हुई है। यदि शहर बढ़ेगा तो पेड़ों की कटाई भी होगी, इसकी भरपाई के लिए हमें 10 गुना पौधे लगाने होंगे। हमारा प्रयास है कि हम इंदौर को हरियाली में भी नंबर वन बना सकें। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पिछले कुछ साल में नगर निगम ने बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया है और हर जगह हरियाली बढ़ी है। हमें शहर में हरियाली तो तेजी से बढ़ाना है। उन्होंने यह भी माना कि हरियाली की कमी से बादल नहीं बरसते और बारिश भी कम होती है। इसलिए हमें इस पर तेजी से काम करना होगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पूरे शहर में गार्डन विकसित किए जा रहे हैं। अब इन गार्डनों में सिटी फारेस्ट भी विकसित किए जाएंगे। गार्डन के 25 प्रतिशत क्षेत्र पर घने पेड़ों को लगाया जाएगा। इन्हें एक छोटे जंगल के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि वहां पर आक्सीजन अधिक रहे और वायुमंडल भी बेहतर बने।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी उस समय लगी, जब सुबह परिजनों ने उसे कमरे में फंदे पर लटका देखा। सूचना मिलते ही बाणगंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान आयुषी ठक्कर के रूप में हुई है। वह अहमदाबाद की एक निजी कंपनी के इंदौर कार्यालय में कार्यरत थी। मौके की तलाशी के दौरान पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। हालांकि जांच के लिए मृतका का लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। पुलिस डिजिटल डिवाइस की जांच के आधार पर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने किसी भी तरह के प्रेम प्रसंग या अन्य विवाद की जानकारी होने से इनकार किया है। परिवार का कहना है कि आयुषी स्वभाव से शांत थी और घर के सभी सदस्यों का काफी ध्यान रखती थी। आयुषी के पिता संतोष ठक्कर एक फैक्ट्री में काम करते हैं। परिवार में एक छोटी बहन और एक भाई भी हैं। फिलहाल बाणगंगा पुलिस मर्ग कायम कर सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल-लैपटॉप की जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी.

दोषियों पर कार्रवाई हो, ट्रस्ट भंग कर निष्पक्ष जांच हो

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। इंदौर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के मध्य प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले की निष्पक्ष जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जानी चाहिए।

हरीश चौधरी ने आरोप लगाया कि देशभर के लोगों ने भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया था, लेकिन अब उसी मंदिर से आर्थिक अनियमितताओं और कथित घोटाले की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल वित्तीय गड़बड़ी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं और विश्वास के साथ किया गया

गंभीर विश्वासघात है। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि जब राम मंदिर ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार की देखरेख में हुआ और उसकी कार्यप्रणाली पर प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी रही, तो सामने आए आरोपों की जवाबदेही कौन तय करेगा। उन्होंने यह भी पूछा कि यदि सभी कार्य पारदर्शी तरीके से हुए हैं तो ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के इस्तीफे क्यों हुए।कांग्रेस ने पूरे मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज करने, दोषियों की गिरफ्तारी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग कर नया पारदर्शी ट्रस्ट गठित करने तथा मंदिर से जुड़े सभी चंदों, चढ़ावों, भूमि खरीद और खर्चों का फोरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की है। चौधरी ने कहा कि भगवान राम किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि देश की आस्था के केंद्र हैं। ऐसे में राम मंदिर से जुड़े धन के उपयोग में किसी भी प्रकार की अनियमितता की निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हरीश चौधरी ने मुख्यमंत्री पर लगाए जा रहे जमीन खरीद और लाभ लेने के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर सार्वजनिक रूप से जवाब देना चाहिए।

सुखी होने में कम पर दिखाने में खर्च ज्यादा होता है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सूर्य तो रोज उदय होता है पर बादल में सूर्य छुप भी सकता है, मगर दैवीय जिन दर्शन से जो भाग्य उदय होता है, वो कभी अस्त नहीं होता है। सुखी होने में कम खर्च होता है, मगर हम सुखी है यह दिखाने में बहुत ज्यादा खर्च हो जाता है। सदैव दिखावे से बचें। सीधे-सीधे गुरुभक्ति एवं परिवार के संचालन ही सुख बढ़ाता है। ना किसी से ईर्ष्या ना किसी से होड़ रखें। यह विचार चतुर्थ पट्टाचार्य सुनील सागरजी महाराज ने इंदौर हातोद रोड स्थित श्रुति फार्म हाउस में प्रवचन में व्यक्त किए। यह जानकारी देते हुए इंद्रकुमार सेठी ने बताया कि इंदौर की ओर विहार करते हुए आचार्य श्री ससंघ ने श्रुति फार्म हाउस में भव्य मंगल प्रवेश किया। इस अवसर पर गुरु भक्ति और गुरु वंदना की गई। सेठी परिवार ने पाद प्रक्षालन किया। इस अवसर पर नरेंद्र वेद, कैलाश लुहाड़िया, कांतिलाल बम, प्रदीप बड़जात्या, प्रेमचंद काला, वीरेंद्र बड़जात्या, वीणा सेठी, अंकुर सेठी, सुप्रिया सेठी, संजय कासलीवाल, सुशील पांड्या, संदीप गंगवाल, बुरहानुद्दीन शकरुवाला, गिरिश पाटोदी, अशोक मेहता, रजनीश चौरडिया, सहित बड़ी संख्या में समाज श्रेष्ठी उपस्थित थे।

11 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर की खजराना थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंदसौर के एक युवक को 110 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 11 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली थी कि वाघेला गार्डन के पास बायपास पर एक युवक ब्राउन शुगर बेचने के लिए घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से 110 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकिशन उर्फ रामनिवास गिरी (28) निवासी ग्राम काटिया, थाना सुवासरा, जिला मंदसौर के रूप में हुई है। वह 8वीं तक पढ़ा है और खेती करता है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह खुद नशे का आदी है। नशे की लत और जल्दी पैसा कमाने के लालच में वह मंदसौर के कोटड़ी क्षेत्र से सस्ते दाम पर ब्राउन शुगर लाकर इंदौर में महंगे दाम पर बेचता था। थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, ताकि ब्राउन शुगर के सप्लायर और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

कलेक्टर ने देवनगरी बस्ती के बच्चों का कराया स्कूल प्रवेश

● 40 से अधिक बच्चों के भविष्य को मिली नई दिशा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित देवनगरी बस्ती के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को भावनात्मक और प्रेरणादायी माहौल देखने को मिला। कलेक्टर शिवम वर्मा बच्चों के बीच पहुंचे और जमीन पर बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुछ समय पूर्व देवनगरी बस्ती के बच्चे अपने अभिभावकों एवं सामाजिक

कार्यकर्ता मोहित सिंह चौहान के साथ जनसुनवाई में पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्टर श्री वर्मा को बताया था कि जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण उनके समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज भी नहीं बन पा रहे हैं। दस्तावेजों के अभाव में बच्चों का स्कूल में प्रवेश भी प्रभावित हो रहा था।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद देवनगरी बस्ती में विशेष अभियान चलाया गया। शासकीय प्राथमिक विद्यालय में दो दिवसीय विशेष शिविर आयोजित कर उन बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए, जिनका जन्म घर पर होने के कारण नगर निगम के अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाया था। जन्म प्रमाण पत्र बनने के बाद बच्चों के समग्र आईडी, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी तैयार किए गए। इस पहल से 40 से अधिक बच्चों के शिक्षा और भविष्य का रास्ता आसान हो गया।

शुक्रवार को कलेक्टर शिवम वर्मा स्वयं विद्यालय पहुंचे और इन बच्चों का विधिवत स्कूल प्रवेश कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे की शिक्षा केवल दस्तावेजों के अभाव में बाधित नहीं होने दी जाएगी। यदि इस प्रकार के अन्य मामले भी सामने आते हैं तो प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ आवश्यक दस्तावेज तैयार कराएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री वर्मा ने विद्यालय का निरीक्षण किया, बच्चों के साथ कक्षाओं का भ्रमण किया तथा उन्हें खेल सामग्री वितरित की। उन्होंने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया और बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बस्ती के बच्चे, अभिभावक, स्थानीय नागरिक तथा प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्लॉट बेचने के नाम पर 18 लाख की ठगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने प्लॉट बेचने के नाम पर 18.75 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में यूनाइटेड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कंपनी के पदाधिकारियों ने महिला से रुपए लेने के बाद न तो प्लॉट की रजिस्ट्री की और न ही रकम लौटाई। पुलिस अब आरोपियों से जुड़े अन्य मामलों की भी जांच कर रही है।

क्राइम ब्रांच ने यशवंत निवास रोड निवासी वनिता डांगी की शिकायत पर यूनाइटेड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर त्रिलोकी प्रसाद गुप्ता, अनीता गहलोत और कंपनी से जुड़े एक अन्य आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायत के मुताबिक, अप्रैल 2024 में वनिता डांगी सुपर कॉरिडोर स्थित ऑर्चर्ड पार्क में प्लॉट देखने गई थीं। वहां उनकी मुलाकात त्रिलोकी प्रसाद गुप्ता और अनीता गहलोत से हुई। दोनों ने खुद को कंपनी का डायरेक्टर बताते हुए प्लॉट नंबर J-16 दिखाया, जिसका क्षेत्रफल करीब 1000 वर्गफीट बताया गया। आरोपियों ने प्लॉट का सौदा 25 लाख रुपए में तय किया। 10 अप्रैल 2024 को विक्रय पत्र तैयार किया गया। वनिता ने 50 हजार रुपए नकद और बाद में अलग-अलग माध्यमों से 18.75 लाख रुपए आरोपियों को दिए। शेष 6 लाख रुपए रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी। वनिता का आरोप है कि भुगतान के बाद भी आरोपी लगातार रजिस्ट्री टालते रहे। जुलाई 2025 में उन्होंने कहा कि यदि जल्दी रजिस्ट्री करानी है तो दूसरा प्लॉट चुन लें, जबकि बाद में रकम लौटाने का भी आश्वासन दिया। शिकायत के अनुसार, 10 अक्टूबर 2025 को त्रिलोकी प्रसाद गुप्ता ने साफ कह दिया कि न तो पैसे वापस मिलेंगे और न ही प्लॉट दिया जाएगा। आरोप है कि उसने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने परिवार के साथ कई बार ऑर्चर्ड पार्क जाकर आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन न रजिस्ट्री हुई और न ही रकम वापस मिली। इसके बाद उन्होंने क्राइम ब्रांच में शिकायत की। जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इसी तरह अन्य लोगों से भी धोखाधड़ी की गई है।

दो लोगों से 1.72 लाख की ठगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। पहली घटना में इंडियामार्ट पर एसी गैस खरीदने के दौरान ऑटो पार्ट्स व्यापारी से 82 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली गई, जबकि दूसरी घटना में खुद को पुलिस अधिकारी बताकर बेटे को रेप केस में गिरफ्तार करने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 90 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। दोनों मामलों में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस के मुताबिक फरियादी पवनदीप सिंह खनूजा निवासी रानी बाग की कीबे कंपाउंड में खनूजा इंटरप्राइजेज के नाम से ऑटो पार्ट्स की दुकान है। पवनदीप ने बताया कि 2 जून को उन्हें एसी गैस की जरूरत थी। इसके लिए उन्होंने इंडियामार्ट वेबसाइट पर नंबर सर्च किया, जहां श्रुति इंटरप्राइजेज के नाम से कुलदीप अग्रवाल का नंबर मिला। बातचीत के बाद आरोपी ने वॉट्सऐप पर एसी गैस के टिन की फोटो और 220 पीस का इनवॉइस भेजते हुए कीमत 82 हजार रुपए बताई।

विश्वास में लेकर आरोपी ने मुंबई के एक बैंक खाते में ऑनलाइन भुगतान करवा लिया। भुगतान के बाद उसने गति इंटरप्राइजेज की फर्जी बिल्टी भी भेज दी, जो बाद में एआई से तैयार की गई नकली बिल्टी निकली। जब काफी समय तक सामान नहीं पहुंचा और आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया, तब व्यापारी को ठगी का एहसास हुआ। 6 जून को उन्होंने बैंक में भुगतान रोकने का प्रयास किया और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर गुरुवार को छोटी ग्वालटोली पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया।

दूसरी घटना कनाड़िया थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने राज वर्मा की शिकायत पर साइबर ठगी का मामला दर्ज किया है। राज वर्मा ने बताया कि 1 जुलाई की सुबह उनके पास वॉट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके बेटे को रेप के आरोप में तीन अन्य युवकों के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने बेटे की जमानत कराने के नाम पर तत्काल 3 लाख रुपए की मांग की और पैसे नहीं देने पर जेल भेजने की धमकी दी।

घबराए राज वर्मा ने अपने पास 90 हजार रुपए होने की बात कही, जिसके बाद ठगों ने उन्हें बताए गए बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। कुछ देर बाद जब उन्होंने अपने बेटे से संपर्क किया तो पता चला कि उसके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। तब उन्हें साइबर ठगी का एहसास हुआ। दोनों मामलों में साइबर हेल्पलाइन पर मिली शिकायतों के आधार पर संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनके बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है।

इंदौर-देवास रेलवे ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा के अंतर्गत मांगलिया में निर्माणाधीन इंदौर-देवास रेलवे समपार (एलसी-45 रेलवे) ओव्हर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और रेल विभाग के अधिकारियों से मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री सिलावट ने लोक निर्माण विभाग और रेल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माणाधीन मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लाए। आवश्यकता अनुसार संसाधनों की संख्या बढ़ाए और मेन पावर बढ़ायें। अच्छी सर्विस लेन बनाए और पैदल चलने वालों के पेशेज बनायें। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कहा कि निर्माणाधीन मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज का हर 15 दिन में निर्माण कार्यों को देखें और उसकी मॉनिटरिंग करें। पिलर एवं गार्डर के काम जल्दी पूर्ण कर आवागमन को चालू करें। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को कहा कि आगामी 31 दिसम्बर 2026 तक मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण करें। यह ब्रिज यातायात की सुगमता की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज की डिजाइन देखी और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज को शीघ्र पूरा करने के लिए एक प्रतिनिधिमण्डल रेलवे डीआरएम और केन्द्रीय मंत्री आश्विनी वैष्णव से मिलेगा। रेलवे के इंजीनियर श्री त्यागी, लोक निर्माण विभाग के ब्रिज सेल के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर जे. के. मीणा, एसडीओ मनोज कुमार जैन, सहित मांगलिया सरपंच विजय हिरवे, जिला पंचायत सदस्य माखन पटेल, मण्डल अध्यक्ष रवि वाजपेयी, तहसीलदार विकास रघुवंशी, महेश मंत्री सहित संबंधित अधिकारी और ठेकेदार उपस्थित थे।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा के ग्राम मांगलिया में करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन मांगलिया रेलवे ओव्हर ब्रिज की लंबाई 790 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है। उक्त रेलवे ओव्हर ब्रिज औंकारेश्वर से महाकालेश्वर उज्जैन का लिंक रोड़ है। जिस पर बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। सिंहस्थ -2028 को दृष्टिगत रखते हुए, यह ब्रिज उपयोगी साबित होगा। करोड़ों यात्री सिंहस्थ महापर्व में आयेंगे, तब यह ब्रिज इंदौर और उज्जैन के लिए त्रिवेणी की भूमिका निभायेंगे।

चलती ट्रेन पकड़ने की कोशिश में युवक गिरा पटरी पर, कटने से मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन पकड़ने के चक्कर में एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह की है। युवक व्यापार के सिलसिले में इंदौर आया था और स्टेशन पर आने में उसे देर हो गई थी। ट्रेन चल चुकी थी। चलती ट्रेन पकड़ना उसके जीवन के लिए भारी पड़ गया।

युवक की पहचान ग्वालियर निवासी हर्ष गुप्ता के रूप में हुई। वह हर दो-तीन महीने में इंदौर और आसपास के शहरों में आता था। रात को वह ग्वालियर की ओवरनाइट एक्सप्रेस में सवार हुआ था और सुबह इंदौर रेलवे स्टेशन पर उतरा था। उसे रतलाम जाने वाली ट्रेन पकड़ना थी, जो प्लेटफॉर्म नंबर एक से जाती थी। वह प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर था। वहां से वह आया और चलती ट्रेन में सवार होने लगा। इस बीच उसका पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच बने गैप में गिर पड़ा। उसके शरीर का आगे का हिस्सा ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर रेलवे पुलिस ने उसका शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई और उसके परिजनों को सूचना दी गई। इस बीच इंदौर में रहने वाले हर्ष के रिश्तेदार भी एमवाय अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसे की खबर मिलने के बाद परिजन भी ग्वालियर से इंदौर के लिए रवाना हो गए।

मैकेनिक ने जहर खाकर दी जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राऊ थाना क्षेत्र में रहने वाले एक 50 वर्षीय लेथ मशीन मैकेनिक ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बैजनाथ पुत्र गुरुचरण चौहान के रूप में हुई है। गुरुवार रात जहर खाने के बाद परिजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। बैजनाथ का करीब 10 वर्ष पहले पत्नी से तलाक हो चुका था। इसके बाद वह अपने भाई, भाभी और भतीजों के साथ रह रहा था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले बैजनाथ का पैर टूट गया था, जिसके कारण वह ठीक से चल-फिर नहीं पा रहा था। चोट की वजह से वह काम पर भी नहीं जा पा रहा था। इसी बात को लेकर वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था। आशंका है कि इसी तनाव के चलते उसने जहर खा लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

एक निवेदन

यदि आप साहस और निर्भीकता से खोजी पत्रकार के रूप में कार्य करना चाहते है और अपने आसपास के भ्रष्टाचार/अपराध/अव्यवस्थाओ को उजागर करना चाहते है ।

तो आइए आप हमारे वेबपोर्टल और यूट्यूब चैनल के साथ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य करे।

कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे ।

www.detectivegroupreport.com

या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे

detectivegroupreport@gmail.com

(आपके सुझाव/लेख /न्यूज़ और सूचना का सदैव स्वागत है)

10 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों का होगा प्रमोशन, 410 बनेंगे डीएसपी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विभागों से पदोन्नति की जानकारी तलब किए जाने के बाद उन विभागों में भी पदोन्नति की फाइलें तेजी से आगे बढ़ने लगी हैं, जहां पहले इस प्रक्रिया को लेकर अधिकारी गंभीर नहीं थे। मुख्यमंत्री के अधीन गृह विभाग के पुलिस महकमे में भी तैयारियां तेज हो गई हैं।

माना जा रहा है कि जल्द ही पुलिस विभाग के 10 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों के प्रमोशन आदेश जारी हो सकते हैं। इनमें निरीक्षक से डीएसपी बनने वाले 410 अधिकारी भी शामिल हैं। इसके अलावा अन्य विभागों में भी पदोन्नति की प्रक्रिया तेज हो गई है। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक से प्रधान आरक्षक, प्रधान आरक्षक से सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई), एएसआई से उपनिरीक्षक (एसआई) और उपनिरीक्षक से निरीक्षक स्तर तक पदोन्नति की सूची तैयार की जा रही है।

उच्च पद का प्रभार व्यवस्था समाप्त होने के बाद प्रदेशभर में करीब 10 हजार कर्मचारियों को लोक सेवा

पदोन्नति नियम-2025 के तहत पदोन्नति मिलने की संभावना है। आरक्षक से एएसआई तक की पदोन्नति की प्रक्रिया जिला स्तर पर पूरी की जाएगी, जबकि इससे ऊपर के पदों पर पदोन्नति पुलिस मुख्यालय करेगा। होमगार्ड और एसएएफ में भी पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वहीं, निरीक्षक से डीएसपी पद पर पदोन्नति के लिए गृह विभाग और लोक सेवा आयोग (पीएससी) के बीच बैठक के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इसके लिए गृह विभाग अपने स्तर पर तैयारी कर रहा है। 8 जुलाई को मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद मुख्यमंत्री सचिवालय ने सभी विभागों से पदोन्नति की अद्यतन जानकारी मांगी थी। इसके बाद विभागों में प्रक्रिया तेज हो गई।

होमगार्ड मुख्यालय ने पदोन्नति नीति-2025 के तहत होने वाली पदोन्नतियों को लेकर केविएट दायर की है। डायरेक्टर जनरल, होमगार्ड्स के निर्देश पर सभी डिवीजनल कमांडेंट को बताया गया है कि कुछ अधिकारी या कर्मचारी पदोन्नति के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं। ऐसे मामलों में याचिका दायर करने से पहले उसकी प्रति डायरेक्टर जनरल, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

32 जिलों में सामान्य से ज्यादा पानी गिरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में कोटे की 25 प्रतिशत यानी, 9.4 इंच बारिश हो गई है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 32 जिलों में सामान्य से ज्यादा पानी गिरा। आईएमडी (मौसम केंद्र) की मानें तो पूरे जुलाई पानी बरसेगा। इससे आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा।

मौसम विभाग ने 4 दिन तक प्रदेश में कहीं तेज तो कहीं हलकी बारिश का अनुमान जताया है। पन्ना और सतना जिले में भारी बारिश का अलर्ट है। 24 घंटे के दौरान यहां 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भी बारिश का अनुमान है।

बुलेट की सवारी, हाथ से बनाई जलेबी और चाय की चुस्की, उज्जैन में नजर आया CM मोहन यादव का अलग अंदाज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। मुख्यमंत्री का काफिला नहीं, बुलेट की गर्जना। प्रोटोकॉल नहीं, जनता से सीधा संवाद। शुक्रवार को धर्मनगरी उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अंदाज एक बार फिर सबका दिल जीत गया। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों का जायजा लेने आए सीएम सर्किट हाउस से सीधे बुलेट पर सवार होकर उज्जैन की गलियों में उतर गए। न कोई सायरन, न लंबा काफिला। बस जय श्री महाकाल के उद्घोष के साथ वह आम लोगों के बीच पहुंचे।

बुलेट पर सवार होकर सीएम सबसे पहले फ्रीगंज ब्रिज पहुंचे। यहां उन्होंने ब्रिज की डिजाइन देखी और निर्माण कार्य की बारीकियों को परखा। इसके बाद कोयला फाटक से कंठाल तक का रास्ता उन्होंने पैदल ही तय किया। इस दौरान वे जगह-जगह रुके। दुकानदारों से बात की, राहगीरों का हालचाल पूछा और सिंहस्थ को लेकर फीडबैक लिया। जहां-जहां से सीएम गुजरे, वहां पुष्प वर्षा हुई। लोगों ने उन्हें मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

नरोत्तम मिश्रा को लगा झटका

दतिया से आशुतोष तिवारी को बनाया उम्मीदवार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दतिया, एजेंसी। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। यहां से पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को उम्मीदवार माना जा रहा था लेकिन बीजेपी ने सभी को चौंकाते हुए आशुतोष तिवारी को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि हाईकमान ने आशुतोष के नाम पर सहमति जताई थी। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की सजा पर रोक लगाने से इनकार किए जाने के बाद दतिया विधानसभा सीट में उपचुनाव हो रहे हैं।

कौन हैं आशुतोष तिवारी

आशुतोष तिवारी भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रह चुके हैं। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन भी रहे हैं। युवा नेता हैं इसके साथ ही क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। कहा जा राह है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने दावेदारी की थी लेकिन तब भाजपा ने टिकट नहीं दिया था। आशुतोष तिवारी को टिकट देकर बीजेपी ने पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को बड़ा झटका दिया है। नरोत्तम मिश्रा दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारी कर रहे थे। लेकिन बीजेपी ने उन्हें उम्मीदवार घोषित नहीं किया। दतिया विधानसभा सीट के लिए अभी केवल बीजेपी ने उम्मीदवार की घोषणा की है। कांग्रेस ने यहां से उम्मीदवार नहीं उतारा है। माना जा रहा है कि यहां से कांग्रेस पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती के किसी करीबी को मैदान में उतार सकती है। भाजपा के सीनियर लीडर और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को नामांकन पत्र खरीद लिया था। उनकी शुक्रवार को फॉर्म दाखिल करने की चर्चा भी थी। इसी बीच केंद्रीय संगठन ने आशुतोष तिवारी का नाम घोषित कर दिया।

समीक्षा बैठक में बार-बार टॉयलेट जा रहे थे अधिकारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतना/मैहर, एजेंसी। मैहर में गुरुवार को रीवा संभाग के संभागायुक्त शीलेन्द्र सिंह की समीक्षा बैठक के दौरान एक अलग ही नजारा देखने को मिला। बैठक के बीच जो अधिकारी पेशाब के लिए बाहर निकले, उनका तत्काल ब्लड शुगर टेस्ट कराने के निर्देश संभागायुक्त ने दिए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मीटिंग हॉल के बाहर ग्लूकोमीटर से जांच शुरू की, जिसमें 49 अधिकारियों में से 19 का ब्लड शुगर स्तर सामान्य से अधिक पाया गया।

जानकारी के अनुसार, समीक्षा बैठक के दौरान कुछ अधिकारियों के बार-बार बाहर जाने पर संभागायुक्त ने इसे संभावित स्वास्थ्य समस्या से जोड़ते हुए उनकी जांच कराने को कहा। अधिकारियों का कहना है कि उद्देश्य किसी को असहज करना नहीं, बल्कि यह पता लगाना था कि कहीं बार-बार पेशाब आने का कारण मधुमेह जैसी बीमारी

तो नहीं है। हालांकि इस घटनाक्रम को लेकर अधिकारियों के बीच मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ ने इसे स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील पहल बताया, जबकि कुछ ने इसे निजी स्वास्थ्य संबंधी विषय में अनावश्यक हस्तक्षेप माना। बैठक में विकास कार्यों और विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकांश विभागों की प्रगति असंतोषजनक मिलने पर संभागायुक्त ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

प्रधानमंत्री आवास योजना में भुगतान की धीमी प्रगति पर संबंधित प्रभारी का एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि 15 दिन में सुधार नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई होगी। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा में एसडीएम स्वयं ऐप पर पंजीयन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके, जिस पर संभागायुक्त ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब अधिकारियों को ही प्रक्रिया की जानकारी नहीं होगी तो वे अधीनस्थ कर्मचारियों की समस्याएं कैसे सुलझाएंगे। उन्होंने कलेक्टर को संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए।

चोरी का माल खरीदना पड़ा भारी, तीन चोरों संग सीहोर का सुनार गिरफ्तार, सात लाख के जेवर बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले की इछावर थाना पुलिस ने नकबजनी के एक चर्चित मामले का सफल खुलासा करते हुए चोरी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले तीन शातिर चोरों के साथ चोरी के सोने के जेवर खरीदने वाले सीहोर के एक सुनार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सोने के शत-प्रतिशत जेवरात और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद मशरूका की कुल कीमत करीब सात लाख रुपये बताई गई है। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है, जबकि मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार इछावर के खेड़ीपुरा निवासी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने थाना इछावर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 16 और 17 जून की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश उनके सूने मकान में घुस गए। चोर घर में रखे सोने के कीमती जेवरात और नकदी चुराकर फरार हो गए।

सूदखोरों से तंग आकर ट्रेन के सामने कूदा

ग्वालियर, एजेंसी। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एजी ऑफिस पुल के नीचे सूदखोरों जीजा-साले के आतंक से परेशान होकर एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे आकर सुसाइड कर लिया। मृतक दो बच्चों का पिता था और लंबे समय से दो सूदखोरों के भारी ब्याज और धमकियों से मानसिक रूप से प्रताड़ित चल रहा था। पुलिस को मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार सीधे तौर पर सूदखोर जीजा-साले (जितेन्द्र-कल्ला) और सूदखोर के दोस्त गजेन्द्र को ठहराया है। घटना शुक्रवार को एजी ऑफिस पुल के नीचे की है। पुलिस ने सुसाइड नोट को निगरानी में लेकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस सूदखोरों की तलाश कर रही है।

संपादकीय

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत: गरिमा, मर्यादा और शुद्धता का तगादा

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान गाते या बजाते समय उनके आधिकारिक और सही शब्दों का ही प्रयोग किया जाए। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि इनका सही आलेख, निर्धारित लिपि और शुद्ध उच्चारण का हर हाल में सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों और राज्यपालों के कार्यालयों को जारी एक नये आदेश में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान गाते या बजाने के संबंध में नियमों को दोहराया है। मंत्रालय ने कहा कि उसके आदेशों में उन सभी अवसरों की विस्तृत सूची दी गई है, जिन पर भारत का राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान 'गाया या बजाया जाएगा' और उन अवसरों का भी जिक्र है, जब इन्हें 'गाया या बजाया जा सकता है'। 9 जुलाई के आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय गीत निम्नलिखित मौकों पर गाया जाएगा- नागरिक सम्मान समारोहों; औपचारिक राजकीय समारोहों और सरकार की ओर से आयोजित अन्य कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के आगमन और उनके प्रस्थान के समय; और राष्ट्रपति की ओर से ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करने से ठीक पहले और इसके तुरंत बाद। इसे राज्य के भीतर औपचारिक राजकीय समारोहों में राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल के आगमन के समय और ऐसे समारोहों से उनके प्रस्थान के समय बजाया जाएगा। इसके अलावा, जब राष्ट्रीय ध्वज को परेड में लाया जाता है, तब भी इसे बजाया जाएगा। आदेश में कहा गया है, 'यह ध्यान देने योग्य बात है कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान को गाते या बजाते समय उनके सही लिपि/पाठ तथा शब्दों के स्पष्ट उच्चारण का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।' इसमें कहा गया है कि मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर सही पाठ और उच्चारण संबंधी मार्गदर्शिका उपलब्ध कराई है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय गीतभारत सरकार की ओर से जारी किए गए विशेष आदेशों के तहत किसी अन्य अवसर पर भी बजाया जायेगा। आदेश में कहा गया है, 'कुछ राज्यों में राष्ट्रगान/राष्ट्रीय गीत के साथ-साथ राज्य गीत भी गाया और बजाया जाता है। यह कहा गया है कि जब भी किसी राज्य गीत को राष्ट्रीय गीत/राष्ट्रगान के साथ गाया या बजाया जाए, तो राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों को साथ में गाया या बजाया जाएगा; और पहले राष्ट्रीय गीत गाया या बजाया जाएगा, उसके बाद राष्ट्रगान होगा।'

नाग पंचमी की व्रत कथा

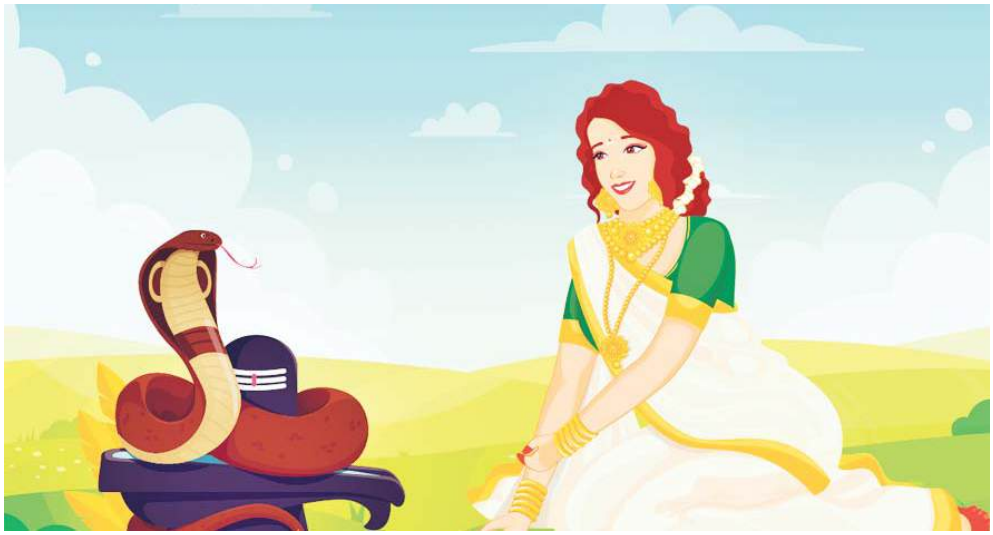

सालों पहले एक नगर में किसी सेठ के सात बेटे रहते थे। सभी की शादी सेठ ने समय रहते करवा दी। सातों बहु मिलकर घर का काम भी किया करती थीं। उन सभी में से सेठ की सबसे छोटी बहु खूब संस्कारी थी।

एक दिन यूं ही काम करते हुए घर की बड़ी बहु ने अपनी देवरानियों से कहा कि घर को लीपने के लिए पीली मिट्टी नहीं है। जंगल जाकर मिट्टी लानी होगी। जेठानी के ऐसा कहते ही सभी उसके साथ घर लीपने के लिए मिट्टी लाने के लिए निकल गए। सभी खुरपी से मिट्टी निकाल ही रहे थे कि तभी सबसे बड़ी वाली बहु को एक नाग नजर आया।

उसे मारने के लिए जैसे ही बड़ी वाली बहु ने खुरपी उठाई, वैसे ही सबसे छोटी बहु ने कहा, 'जेठानी जी, इसे मत मारिए। इसकी कोई गलती नहीं है। जंगल तो इसका घर है।' अपनी देवरानी की बात मानकर उसने नाग को कुछ नहीं किया। तभी उस छोटी बहु ने नाग से कहा कि आप एक जगह पर अलग से बैठ जाइए हम तबतक मिट्टी खोदते हैं। फिर आपके पास आएंगे।

इतना कहकर सभी मिट्टी निकालने लगे और कुछ देर बाद घर चले गए। सभी के दिमाग से नाग वाली बात निकल गई थी। अगले दिन छोटी बहु को अचानक से याद आया कि उसने नाग को इंतजार करने के लिए कहा था। वो तुरंत अपनी सभी जेठानियों को अपने साथ लेकर नाग के पास चली गई।

वहां देखा तो वो नाग उन सभी के इंतजार में उसी जगह पर बैठा हुआ था। नाग को देखते ही छोटी बहु ने प्यार से कहा, 'भैया, कल हम लोग आपके पास आना भूल गए थे। उस बात के लिए आप हमें माफ कर दीजिए।'

जवाब में नाग बोला, 'तुमने मुझे भाई कहा है, इसलिए मैं तुम्हें दण्ड नहीं दे रहा हूं। नहीं तो अबतक मैं तुम्हें डस चुका होता। आज के बाद में तुम हमेशा के लिए मेरी बहन रहोगी। अब तुम अपने भाई से कोई वरदान मांग लो। मैं तुमसे बहुत खुश हूं।'

इतना सब सुनने के बाद छोटी बहु ने नाग को बोला, 'मेरा कोई भी सगा भाई नहीं है, इसलिए मैंने आपको भाई कहा था। अब से आप मेरे भाई हो। अब हरदम मेरी रक्षा करना आपका फर्ज है। बस यही वरदान मुझे आपसे चाहिए।'

नाग ने हर कदम पर साथ देने का वादा किया और अपने रास्ते निकल गया। सेठ की सारी बहु भी अपने घर लौट गईं।

कुछ समय बाद नाग इंसान का रूप बनाकर अपनी बहन से मिलने सेठ के घर गया। उसने सेठ से कहा कि मेरी छोटी बहन को बुला दो। वो आपकी छोटी बहु है।

पहले तो उनके मन में हुआ कि बहु का कोई भाई ही नहीं था, ये कहा से आ गया। फिर भी उन्होंने अपनी छोटी बहु को बाहर बुलाया। नाग ने फिर साथ में बहन को अपने घर लेकर जाने की बात की। सेठ ने इसकी भी आज्ञा दे दी।

तभी नाग ने अपनी बहन से पूछा, 'कहीं तुम मुझे भूल तो नहीं गई हो न? जवाब में बहन बोली, 'नहीं, भैया मैं आपको बिल्कुल नहीं भूली हूं।' फिर नाग ने कहा, 'मैं तुम्हें अपने घर लेकर जा रहा हूं। तुम मेरी पूंछ पकड़कर चलती रहना पीछे।'

उसकी बहन ने वैसा ही किया। कुछ ही देर बाद वो एक बड़े से मकान में पहुंच गए। वहां हर तरफ सोना-चांदी और अन्य कीमती सामान थे। वहां नाग की बहन आराम से कुछ दिनों के लिए रहने लगी।

नाग की मां भी उसे खूब प्यार करती थी। एक दिन नाग की मां ने छोटी बहु को अपने भाई के लिए दूध लेकर जाने के लिए कहा। छोटू बहु ने दूध को गर्म किया और भाई को पीने के लिए दे दिया। अब गर्म दूध पीते ही नाग का मुंह जलने लगा। ये सब देखकर नाग की मां को खूब गुस्सा आया। नाग ने किसी तरह से अपनी मां के गुस्से को शांत किया और बताया कि उसकी बहन को नहीं पता था कि मैं गर्म दूध नहीं पी सकता हूं।

अब नाग के परिवार के साथ कुछ समय बीताने के बाद सेठ की छोटी बहु अपने घर जाने लगी। नाग ने अपनी बहन को खूब सारी दौलत और आभूषण देकर विदा किया।

बहु के साथ घर में इतना सारा धन आते देख सेठ और उसकी जेठानियां हैरान हो गईं।

एक दिन नाग की बहन को घर की बड़ी बहु ने कहा कि तुम अपने भाई से और सोना-चांदी लेकर आओ। उसके पास तो खूब पैसा है, वो तुम्हें मना नहीं करेगा। छोटी बहु ने अपने भाई नाग को यह बात बताई। इसके बारे में पता चलते ही नाग ने अपनी बहन का घर तरह-तरह के आभूषणों से भर दिया।

सभी जेवरातों में से एक हीरे का हार बेशकीमती था। उसे देखते ही हर किसी का मन उसपर आ जाता था। होते-होते उस हीरे की हार की खबर राज्य की रानी तक पहुंची। उसने छोटी बहु से हार लेकर खुद अपने पास रख लिया। दुखी होकर सेठ की छोटी बहु ने अपने भाई को इसके बारे में बताया।

गुस्से में उसके नाग भाई ने रानी के गले के हीरे के हार को नाग बना दिया। इससे डरकर रानी ने एकदम हार को अपने गले से उतारा और सेठ की छोटी बहु को महल बुलवाया। उसके महल पहुंचते ही रानी ने छोटी बहु को बताया कि कैसे हार उसके गले में नाग बन गया था और उससे इसकी वजह पूछने लगी?

तब सेठ की छोटी बहु ने बताया की नाग भाई ने यह हार सिर्फ मुझे पहनने के लिए दिया है। इसे कोई दूसरा इंसान गले में डालेगा, तो यह तुरंत सांप बन जाएगा। इस बात को सही साबित करने के लिए रानी ने सेठ की छोटी बहु को सांप बन चुके हार को पहनने के लिए कहा।

छोटी बहु ने जैसे ही नाग बने हार को गले में डाला, तो वो दोबारा हीरे के हार में बदल गया। महारानी ने ये सब होते हुए खुद अपनी आंखों से देखा और हैरान रह गई। अब उसे सेठ की छोटी बहु की बात पर यकीन हो गया। उसने हार छोटी बहु को अपने साथ लेकर जाने के लिए कहा। इतना सब होने के बाद रानी ने सेठ की छोटी बहु को कुछ सोने की मुद्राएं देकर महल से विदा कर किया।

अब सेठ की छोटी बहु घर में सोने के सिक्के लेकर पहुंची। यह सब देखकर सेठ की बड़ी बहु को जलन होने लगी। उसने सोचा कि क्यों ने ऐसा कुछ किया जाए, जिससे देवरानी परेशान हो जाए।

उसने अपने देवर से पूछा, 'आखिर तुम्हारी पत्नी को इतने आभूषण, धन ये सब कुछ कैसे मिल रहा है? तुम्हें उस पर ध्यान देना चाहिए। यूं ही तो कोई किसी को इतना सारा धन, जेवरात और सोने के सिक्के नहीं दे देता है। पता करो कि आखिर क्या मामला है।'

भाभी से अपनी पत्नी के बारे में इतना सब सुनने के बाद उसके मन में अपनी पत्नी के लिए शक पैदा हो गया। उसकी हर बात को वो शक भरी निगाहों से देखने लगा। एक दिन इस बारे में उसने अपनी पत्नी से बात की। खुद के लिए अपने पति से ऐसा सब सुनने के बाद वो दुखी हो गई।

उसने सीधे अपने नाग भाई से मुलाकात की और अपने पति द्वारा कही गई सारी बातों के बारे में बता दिया। अपनी दुखी बहन को देखकर नाग को भी गुस्सा आया।

सीधे वो अपनी बहन के पति से मिला और बोला कि अपनी बहन को जेवरात और दूसरे तोहफे मैंने दिए हैं, तुम्हें उस पर किसी भी तरह का शक करने की जरूरत नहीं है। वो बहुत ही अच्छी है और अगर आगे से कभी भी तुमने उसे कुछ गलत कहा या उस पर शक किया, तो मैं तुम्हें जिंदा खा जाऊंगा।

नाग से ये सब सुनने के बाद सेठ के बेटे ने उससे माफी मांगी और कहा कि आज के बाद से मैं ऐसी बातें बिल्कुल भी नहीं करूंगा। आप मेरे ऊपर गुस्सा मत कीजिए। मैं आपकी बहन को किसी तरह का दुख नहीं होने दूंगा। इतना कहकर वो सीधे घर गया और अपनी पत्नी से भी माफी मांगी। उसके बाद दोनों खुशी-खुशी साथ में रहने लगा।

इसी तरह सेठ की छोटी बहु हर तरह की मसीबत में अपने भाई को याद करती और वो उसकी परेशानी को दूर कर देता। इसी तरह नाग पंचमी का त्योहार शुरू हुआ और सभी महिलाएं नाग को अपना भाई मानकर पूजते हुए उन्हें दूध पिलाने लगीं।

कहानी से सीख

नाग पंचमी कथा से दो सीख मिलती है। पहली यह कि किसी दूसरे के भड़काने पर और उनकी बातों से प्रभावित होकर अपने लोगों पर शक नहीं करना चाहिए। दूसरी सीख है कि अच्छा करने और सोचने वालों को उसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

New Delhi

चीन की दादागीरी का काउंटर बैलेंस तैयार! भारत-न्यूज़ीलैंड के बीच 18 बड़े समझौते

नई दिल्ली, (एजेंसी) करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड दौरा दोनों देशों के रिश्तों के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ. ऑकलैंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने कुल 18 बड़े समझौतों और ऐलानों पर सहमति जताई. इनमें 10 एमओयू और 8 बड़े ऐलान शामिल हैं. इन फैसलों से भारत और न्यूजीलैंड के रिश्तों को अब स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा मिल गया है. रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, कृषि, शिक्षा, खेल और संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों में अब दोनों देश मिलकर काम करेंगे. इसे इंडो-पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव का काउंटरबैलेंस

भी माना जा रहा है.

सबसे अहम समझौते रक्षा और समुद्री सुरक्षा को लेकर हुए. भारत और न्यूजीलैंड की सेनाएं अब समुद्री सुरक्षा, जानकारी साझा करने और संयुक्त अभ्यास में साथ काम करेंगी. दोनों देशों ने समुद्र से जुड़े नक्शे और हाइड्रोग्राफी डेटा साझा करने पर भी सहमति दी है. इससे समुद्री रास्तों की सुरक्षा और बेहतर होगी. एक और समझौते के तहत दोनों देशों की नौसेनाएं जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे को लॉजिस्टिक सपोर्ट भी दे सकेंगी.

भारत और न्यूजीलैंड ने आतंकवाद के खिलाफ एक संयुक्त कार्य समूह बनाने का फैसला किया है. दोनों देश आतंकियों से जुड़ी जानकारी साझा करेंगे और मिलकर रणनीति बनाएंगे.

Uttarpradesh

पति ने पकड़े पैर, देवर ने रेता गला, बेटे ने मां के बारे में पूछा तो उसे भी मार डाला, डबल मर्डर का खुलासा

मुरादाबाद, (एजेंसी) यूपी के मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा और उसके बेटे अंकुश की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक सीमा के पति जसराम और देवर जयराम ने इस वारदात को बड़ी ही क्रूरता के साथ अंजाम दिया था।

पति ने सीमा के पैर पकड़ लिए थे और देवर जयराम ने उसका गला रेतकर हत्या कर दी थी। पति सीमा के व्यवहार से परेशान था। वह आए दिन उसके साथ मारपीट करती थी। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार जयराम ने बताया कि वह अपने भतीजे को नहीं मारना चाहता था। लेकिन वह बार बार अपनी मां के बारे में पूछ रहा था। उसे डर था कि वह घर जाकर लोगों को बता देगा। इसलिए मजबूरी में उसे मारना पड़ा। शुक्रवार की देर रात पुलिस ने पति जसराम को भी गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मौढ़ा तैय्या निवासी सीमा (35) और उसके बेटे अंकुश (10) की हत्या में उसके देवर जयराम और पति जसराम को गिरफ्तार किया गया है। सीमा करीब दो साल से शेरुआ चौराहे पर किराये का मकान लेकर रहती थी। पति जसराम और बेटा अंकुश भी उसके साथ रहते थे। जसराम ने अपना मकान छोटे भाई जयराम को बेच दिया था। जयराम ने जसराम और उसकी पत्नी सीमा को 60 हजार रुपये दे दिए थे। दो लाख 40 हजार रुपये बाकी रह गए थे। इन रुपयों को लेकर सीमा विवाद करती थी। इसके अलावा सीमा के चरित्र पर भी जसराम शक करता था। विरोध करने पर दोनों के बीच विवाद भी होता था। सोमवार की रात भी पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। सीमा ने पुलिस चौकी में शिकायत की थी। इस मामले में सीमा ने समझौता कर लिया और अपने पति के साथ घर चली गई थी।

Uttarpradesh

राम मंदिर दान चोरी

आरोपियों के 20 करीबियों के अयोध्या छोड़ने पर रोक, CEO की नियुक्ति की तैयारी

अयोध्या, (एजेंसी) अयोध्या के श्री राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में विवेचना के दौरान हो रहे खुलासों के बीच आठों आरोपियों के संपर्क में रहे करीब 20 लोगों के जिला छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। पचास से अधिक को नोटिस भेजकर बयान दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्रवार को मामले के विवेचक आशुतोष तिवारी ने प्रकरण से जुड़े कई लोगों से पूछताछ की। इस दौरान उनके बयान दर्ज कर आरोपियों से उनके संबंधों की जानकारी जुटाई गई। इस बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सीईओ की नियुक्ति की तैयारी में है। तय हुआ है कि ट्रस्ट अपने पैसे पर सीईओ की नियुक्ति करेगा। सीईओ को ट्रस्ट से सैलरी मिलेगी। छह जुलाई की बैठक में ट्रस्ट ने सीईओ चयन के लिए तीन सदस्यों रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हावड़े की कमेटी बना दी है। यह सभी अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं। कमेटी ट्रस्ट को तीन नाम सौंपेगी। अगली बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नाम पर चर्चा हो सकती है।

New Delhi

पहाड़ों से मैदानी इलाकों तक मानसून का कहर, भूस्खलन और बाढ़ से मची तबाही, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के पहुंचने के बाद झमाझम बारिश हो रही है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, विशेषतौर पर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तो बारिश प्रचंड चरण में है। शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश में वर्षा जनित घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। दोनों राज्यों में मूसलाधार बारिश से नदियां और पहाड़ी नाले उफान पर हैं, बाढ़ और भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है। उत्तराखंड के यमुनोत्री हाईवे के साथ दोनों राज्यों में सैकड़ों सड़कें बंद हैं, संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार को मूसलाधार बारिश से स्थिति इतनी भयावह हुई कि कई क्षेत्रों में स्कूलों को बंद करना पड़ा। मौसम विभाग ने इन दोनों राज्यों समेत उत्तर-पश्चिम भारत और देश के कई अन्य हिस्सों में तीन-चार दिन भार बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश में खराब मौसम की सबसे भारी मार सिरमौर और सोलन जिलों में पड़ी है। कुल्लू जिले में पहाड़ी से गिरे बड़े पत्थर की चपेट में आने से 70 वर्ष के एक व्यक्ति की जान चली गई। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर भी कई जगह भूस्खलन में लोगों के घायल होने की खबर है। त्रिपुरा में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। राज्य के उनकोटी, खोवाई और धलाई जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं।

खेल

● लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन भारत का रहा दबदबा

मंधाना-हरमनप्रीत और दीप्ति के अर्धशतक, इंग्लैंड 264 रन पीछे

लंदन, (एजेंसी) लॉर्ड्स में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच एकमात्र महिला टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों के तीन अर्धशतकों के बावजूद टीम 285 रन पर सिमट गई। जवाब में इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक 11 ओवर में एक विकेट पर 21 रन बना लिए। मेजबान टीम अभी भारत के स्कोर से 264 रन पीछे है। स्टंप्स के समय माया बाउशियर 17 रन और हीदर नाइट एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थीं। भारत को एकमात्र सफलता तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दिलाई, जिन्होंने टैमी ब्यूमोंट (2) को पवेलियन भेजा।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया शुरुआती सात ओवरों में ही आउट हो गईं, जिससे टीम का स्कोर 37 रन पर दो

विकेट हो गया। इसके बाद स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े और टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। दोनों बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। स्मृति ने तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर और स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के खिलाफ आकर्षक शॉट लगाए, जबकि जेमिमा ने भी तेज रन बटोरे। हालांकि, ईसी वोंग की गेंद पर जेमिमा 35 रन बनाकर बोल्ड हो गईं। जेमिमा के आउट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्मृति का अच्छा साथ निभाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। स्मृति अपने शतक की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन 108 गेंदों पर 83 रन बनाकर आउट हो गईं। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। दूसरी ओर हरमनप्रीत ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल थे। चाय तक भारत का स्कोर पांच विकेट पर 202 रन था। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने निचले क्रम में जिम्मेदारी संभाली और स्नेह राणा के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को 250 रन के पार पहुंचाया। दीप्ति ने 87 गेंदों पर 57 रन की उपयोगी पारी खेली और सात चौके लगाए। हालांकि, एक समय 190 रन पर केवल तीन विकेट गंवाने वाली भारतीय टीम अंतिम सात विकेट 85 रन के भीतर गंवा बैठी और 74.5 ओवर में 285 रन पर ऑलआउट हो गई।

सिनेमा

आमिर खान की तीसरी शादी पर भड़के बजरंग दल, एक्टर का पुतला जलाते हुए बोले- हिंदू बेटियों से ही प्यार क्यों?

आमिर खान ने कुछ दिनों पहले गौरी स्प्रैट से तीसरी शादी की है। दोनों ने परिवार वालों और करीबी दोस्तों के बीच शादी रजिस्टर की। शादी के दौरान की कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। अब आमिर की शादी के बाद बजरंग दल के सदस्य एक्टर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आमिर का पुतला फूंका और उन पर 'लव जिहाद' करने का आरोप लगाया। बजरंग दल के लीडर मनोज सोनी द्वारा जारी किए गए स्टेटमेंट पर उन्होंने लिखा है,'आमिर खान लगातार हिंदू-बहन बेटियों को शादी रचा कर लाइन लगा रहे हैं। वह हिंदू सोसाइटी की इंसल्ट कर रहे हैं।' सोनी ने आगे दावा किया कि अगर आमिर नहीं रुके तो वह उन्हें सबक सिखाएंगे। सिसायत द्वारा शेयर किए वीडियो में सोनी बोलते हैं कि वह मुस्लिम महिला से प्यार क्यों नहीं करते हैं। उन्हें हिंदू महिला ही क्यों पसंद आती है। उन्होंने कोर्ट और सरकार से भी एक्टर के खिलाफ एक्शन की मांग की है। बता दें कि आमिर ने पहले 1986 में रीना दत्ता से शादी की थी। दोनों का फिर साल 2002 में तलाक हो गया था। रीना और आमिर के 2 बच्चे हैं जुनैद और आइरा। इसके बाद आमिर ने साल 2005 में शादी की। दोनों का बेटा है आजाद।

Highlights

1. ED files chargesheet against Sriki in cyber laundering case
2. 21 dead as Surat gets 30% of season's annual rainfall in 1 week
3. Infiltration main cause of demographic changes in border areas: Shah
4. Railways to run over 300 special trains for Puri Rath Yatra 2026
5. Man dies of electrocution in Ghaziabad as rainwater carries live current from transformer
6. Ram Temple trust blocks VIP IDs of Champat Rai, others amid probe
7. 15 students fall ill after eating hostel food in K'taka, water samples sent for testing
8. India lost around 25 government schools every day over a decade: Report

Govt says E25 only being tested for now: All your questions on ethanol-blended fuel answered

NEW DELHI, (Agency). Union petroleum minister Hardeep Singh Puri said on Thursday that any move to E25 petrol — a blend of 25% ethanol with petrol — remains under evaluation, and that the government has not taken a decision on its rollout.

Speaking in New Delhi, Puri said ongoing tests would need to be completed and their findings discussed with vehicle manufacturers and other stakeholders before any shift beyond the current E20 blend was considered, ANI reported.

The clarification comes amid a sustained backlash against E20, the 20% ethanol blend that has become India's default petrol grade. Commuters and opposition politicians — including Karnataka Congress chief BK Hariprasad and Aam Aadmi Party convenor Arvind Kejriwal — have said the fuel has reduced mileage and pushed up repair costs, and have questioned why pump prices have not fallen despite a blend that is supposed to be cheaper to produce than pure petrol.

The government has maintained that E20 is safe for compliant vehicles, citing extensive testing by the Automotive Research Association of India (ARAI) and carmakers.

What are biofuels?

Biofuels are made from biomass, typically crops such as corn, sugarcane, soybeans and palm oil, rather than fossil fuels such as oil. In the transport sector, they are blended into fuels as a cleaner-burning alternative, though they can also be used for power generation, heating and aviation.

Ethanol is made by fermenting sugars or starches from corn and sugarcane using yeast, before being distilled to fuel-grade purity.

Where has India reached in its ethanol blending programme?

The Centre achieved its target of 20% ethanol blending (E20) in petrol by the end of 2025, five years ahead of its original schedule. It started out with 1.5% in 2014. Since April 1 this year, India rolled out E20 at all pumps in the country.

What does E20 petrol actually mean?

E20 means petrol that contains 80% petrol and 20% ethanol. Similarly,

E10 = 10% ethanol, 90% petrol

E85 = 85% ethanol, 15% petrol

E100 = Nearly 100% ethanol

Does E20 reduce mileage, damage cars?

Higher ethanol content is slightly less energy-dense than fuels, which means the vehicle may run fewer miles per gallon. The decline in mileage depends on the percentage content of ethanol, for instance, E5 may have a lower impact on mileage compared to E15, E20, E85, and so on.

The government has maintained that the decline in mileage is slight, India's ethanol blending programme is tried-and-tested, and E20 does not damage compliant vehicles.

Can a commuter get 100% petrol instead of E20?

There is currently no retail option to buy completely ethanol-free petrol across India.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक